FILE NO. 24

ग्राम पंचायत (भोपाल)

Arora

KOBRA FILE AK - 3200

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

ग्राम पंचायत

(1) डिण्डोरी प्रस्ताव

(२) ठलया गांव, कानपुर सर्वे ⇒ ms³ कानपुर file में है।

(3) संवाद सूची

अस्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर
परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में

प्रथम संवाद सूचि

(स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक, बिंदु)

संग्रह - सुविधा के विकल्प में समाधान - समृद्धि संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधों में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमति पूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्राम वासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान, श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-11

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर
~~ग्राम मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में~~

द्वितीय ~~सूचि~~ संवाद सूचि
(विश्वास बिंदु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम मे जितने भी परिवार हैं, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान - समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था मे भागीदारी ~~करने में विश्वास~~	है	नहीं है
ग्राम में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी- श्रमशीलता सहित समाधान- समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रम पूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

~~अस्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन~~ के आधार पर
परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में

तृतीय संवाद सूचि
(सत्यापन बिंदु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का	सत्यापन
हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वावलंबन प्रमाणित करने का	सत्यापन
हर परिवार में सभी संबंधों व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार सभा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का	सत्यापन
परिवार संबंधों में मानवीयता सहित मानव संस्कृति-सभ्यता सहज निर्वाह करने का	सत्यापन
परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का	सत्यापन
मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
हर परिवार में समझदारी से समाधान, श्रम से समृद्धि संपन्न होने का	सत्यापन

अस्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर
परिवार मूलक ग्राम मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में

चतुर्थ सूचि
(संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान - समृद्धि पूर्वक न्याय- व्यवस्था में जीने का — संकल्प

समाधान- समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवार से निर्वाचित दस सदस्यीय — संकल्प
परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनिमय सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण- व्यवहार करने का

दश परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दश सदस्यीय ग्राम सभा में आमी व्यवस्था सहज विधि से जीने का — संकल्प

सं.-01

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम - मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में प्रथम संवाद सूची (स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिन्दु)

संग्रह - सुविधा के विकल्प में समाधान - समृध्दि संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधो में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमतिपूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान , श्रमपूर्वक समृध्दि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-02

अस्तित्व मूलक, मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर ग्राम, मोहल्ला, स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में द्वितीय संवाद सूची (विश्वास बिन्दु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृध्दि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम में जितने भी परिवार है, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान-समृध्दि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
गांव में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी-श्रमशीलता सहित समाधान - समृध्दि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रमपूर्वक ही समृध्दि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

सं-03

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में तृतीय संवाद सूची (सत्यापन बिन्दु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का	सत्यापन
हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन	सत्यापन
सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वालंबन प्रमाणित करने का	सत्यापन
हर परिवार मे सभी संबंधो व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार तथा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का	सत्यापन
परिवार संबंधो में मानवीयता सहित मानव संस्कृति सभ्यता सहज निर्वाह करने का	सत्यापन
परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का	सत्यापन
मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
हर परिवार में समझदारी से समाधान , श्रम से समृद्धि संपन्न होने का	सत्यापन

सं.-04

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में चतुर्थ सूची (संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक न्याय-व्यवस्था में जीने का	संकल्प
समाधान-समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवारों से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनियम सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण व्यवहार करने का	संकल्प
दस परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दस सदस्यीय ग्राम सभा में आयी व्यवस्था सहज विधि से जीने का	संकल्प

सं.-01

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम - मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में प्रथम संवाद सूची (स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिन्दु)

संग्रह - सुविधा के विकल्प में समाधान - समृद्धि संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधो में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमतिपूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान , श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-02

अस्तित्व मूलक, मानव केंन्द्रित चिंतन के आधार पर ग्राम, मोहल्ला, स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में द्वितीय संवाद सूची (विश्वास बिन्दु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम में जितने भी परिवार है, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
गांव में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी-श्रमशीलता सहित समाधान - समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रमपूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

सं-03

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में तृतीय संवाद सूची (सत्यापन बिन्दु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का	सत्यापन
हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन	सत्यापन
सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वालंबन प्रमाणित करने का	सत्यापन
हर परिवार मे सभी संबंधो व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार तथा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का	सत्यापन
परिवार संबंधो में मानवीयता सहित मानव संस्कृति सभ्यता सहज निर्वाह करने का	सत्यापन
परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का	सत्यापन
मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
हर परिवार में समझदारी से समाधान , श्रम से समृद्धि संपन्न होने का	सत्यापन

सं.-04

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में चतुर्थ सूची (संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक न्याय-व्यवस्था में जीने का	संकल्प
समाधान-समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवारों से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनियम सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण व्यवहार करने का	संकल्प
दस परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दस सदस्यीय ग्राम सभा में आयी व्यवस्था सहज विधि से जीने का	संकल्प

सं.-01

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम – मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में प्रथम संवाद सूची (स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिन्दु)

संग्रह – सुविधा के विकल्प में समाधान – समृद्धि संपन्न होना .	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधो में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमतिपूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान , श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-02

अस्तित्व मूलक, मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर ग्राम, मोहल्ला, स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में द्वितीय संवाद सूची (विश्वास बिन्दु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम में जितने भी परिवार है, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
गांव में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी-श्रमशीलता सहित समाधान – समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रमपूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

सं-03

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में तृतीय संवाद सूची (सत्यापन बिन्दु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का	सत्यापन
हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन	सत्यापन
सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वालंबन प्रमाणित करने का	सत्यापन
हर परिवार मे सभी संबंधो व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार तथा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का	सत्यापन
परिवार संबंधो में मानवीयता सहित मानव संस्कृति सभ्यता सहज निर्वाह करने का	सत्यापन
परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का	सत्यापन
मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
हर परिवार में समझदारी से समाधान , श्रम से समृद्धि संपन्न होने का	सत्यापन

सं.-04

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में चतुर्थ सूची (संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक न्याय-व्यवस्था में जीने का	संकल्प
समाधान-समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवारों से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनियम सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण व्यवहार करने का	संकल्प
दस परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दस सदस्यीय ग्राम सभा में आयी व्यवस्था सहज विधि से जीने का	संकल्प

सं.-01

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम – मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में प्रथम संवाद सूची (स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिन्दु)

संग्रह – सुविधा के विकल्प में समाधान – समृद्धि संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधो में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमतिपूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान , श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-02

अस्तित्व मूलक, मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर ग्राम, मोहल्ला, स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में द्वितीय संवाद सूची (विश्वास बिन्दु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम में जितने भी परिवार है, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
गांव में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी-श्रमशीलता सहित समाधान – समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रमपूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में तृतीय संवाद सूची (सत्यापन बिन्दु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का	सत्यापन
हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन	सत्यापन
सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वालंबन प्रमाणित करने का	सत्यापन
हर परिवार मे सभी संबंधो व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार तथा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का	सत्यापन
परिवार संबंधो में मानवीयता सहित मानव संस्कृति सभ्यता सहज निर्वाह करने का	सत्यापन
परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का	सत्यापन
मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
हर परिवार में समझदारी से समाधान , श्रम से समृद्धि संपन्न होने का	सत्यापन

सं.-04

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में चतुर्थ सूची (संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक न्याय-व्यवस्था में जीने का	संकल्प
समाधान-समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवारों से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनियम सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण व्यवहार करने का	संकल्प
दस परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दस सदस्यीय ग्राम सभा में आयी व्यवस्था सहज विधि से जीने का	संकल्प

सं.-01

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम - मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में प्रथम संवाद सूची (स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिन्दु)

संग्रह - सुविधा के विकल्प में समाधान - समृद्धि संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधो में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमतिपूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान , श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-02

अस्तित्व मूलक, मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर ग्राम, मोहल्ला, स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में द्वितीय संवाद सूची (विश्वास बिन्दु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम में जितने भी परिवार है, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
गांव में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी-श्रमशीलता सहित समाधान - समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रमपूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

सं-03

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में तृतीय संवाद सूची (सत्यापन बिन्दु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का	सत्यापन
हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन	सत्यापन
सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वालंबन प्रमाणित करने का	सत्यापन
हर परिवार मे सभी संबंधो व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार तथा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का	सत्यापन
परिवार संबंधो में मानवीयता सहित मानव संस्कृति सभ्यता सहज निर्वाह करने का	सत्यापन
परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का	सत्यापन
मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
हर परिवार में समझदारी से समाधान , श्रम से समृद्धि संपन्न होने का	सत्यापन

सं.-04

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में चतुर्थ सूची (संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक न्याय-व्यवस्था में जीने का	संकल्प
समाधान-समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवारों से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनियम सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण व्यवहार करने का	संकल्प
दस परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दस सदस्यीय ग्राम सभा में आयी व्यवस्था सहज विधि से जीने का	संकल्प

सं.-01

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम - मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में प्रथम संवाद सूची (स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिन्दु)

संग्रह - सुविधा के विकल्प में समाधान - समृद्धि संपन्न होना .	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधो में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमतिपूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान , श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-02

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर ग्राम, मोहल्ला, स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में द्वितीय संवाद सूची (विश्वास बिन्दु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम में जितने भी परिवार है, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
गांव में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी-श्रमशीलता सहित समाधान - समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रमपूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

सं-03

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में तृतीय संवाद सूची (सत्यापन बिन्दु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का — सत्यापन

हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन — सत्यापन

सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वालंबन प्रमाणित करने का — सत्यापन

हर परिवार मे सभी संबंधो व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार तथा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का — सत्यापन

परिवार संबंधो में मानवीयता सहित मानव संस्कृति सभ्यता सहज निर्वाह करने का — सत्यापन

परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का — सत्यापन

मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का — सत्यापन

उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का — सत्यापन

स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का — सत्यापन

हर परिवार में समझदारी से समाधान , श्रम से समृद्धि संपन्न होने का — सत्यापन

सं.-04

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में चतुर्थ सूची (संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक न्याय-व्यवस्था में जीने का — संकल्प

समाधान-समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवारों से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनिमय सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण व्यवहार करने का — संकल्प

दस परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दस सदस्यीय ग्राम सभा में आयी व्यवस्था सहज विधि से जीने का — संकल्प

सं.-01

अस्तित्व मूलक, मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम - मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में प्रथम संवाद सूची (स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिन्दु)

संग्रह - सुविधा के विकल्प में समाधान - समृद्धि संपन्न होना .	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधो में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमतिपूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान , श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-02

अस्तित्व मूलक, मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर ग्राम, मोहल्ला, स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में द्वितीय संवाद सूची (विश्वास बिन्दु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नहीं है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम में जितने भी परिवार है, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नहीं है
परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
हर परिवार में, हर नर-नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नहीं है
गांव में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नहीं है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी-श्रमशीलता सहित समाधान - समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नहीं है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रमपूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नहीं है

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

सं-03

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में तृतीय संवाद सूची (सत्यापन बिन्दु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का	सत्यापन
हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन	सत्यापन
सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वालंबन प्रमाणित करने का	सत्यापन
हर परिवार मे सभी संबंधो व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार तथा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का	सत्यापन
परिवार संबंधो में मानवीयता सहित मानव संस्कृति सभ्यता सहज निर्वाह करने का	सत्यापन
परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का	सत्यापन
मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का	सत्यापन
हर परिवार में समझदारी से समाधान , श्रम से समृद्धि संपन्न होने का	सत्यापन

सं.-04

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में चतुर्थ सूची (संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान-समृद्धि पूर्वक न्याय-व्यवस्था में जीने का	संकल्प
समाधान-समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवारों से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनियम सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण व्यवहार करने का	संकल्प
दस परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दस सदस्यीय ग्राम सभा में आयी व्यवस्था सहज विधि से जीने का	संकल्प

अस्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर
परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में

प्रथम संवाद सूचि

(स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिंदु)

संग्रह-सुविधा के विकल्प में समाधान-समृद्धि संपन्न होना चाहिये

स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना चाहिये

परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना चाहिये

सदा-सदा संबंधों में विश्वास निर्वाह होना चाहिये

समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना चाहिये

सभी नर-नारियों के सहमति पूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना चाहिये

सभी ग्राम वासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना चाहिये

सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना चाहिये

समझदारी से समाधान, श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना चाहिये

अस्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर
परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में

प्रथम संवाद सूचि
(स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक, बिंदु)

संग्रह - सुविधा के विकल्प में समाधान - समृद्धि संपन्न होना चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना चाहिये
सदा- सदा संबंधों में विश्वास निर्वाह होना चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमति पूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना चाहिये
सभी ग्राम वासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना चाहिये
समझदारी से समाधान, श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना चाहिये

प्रति,

प्रमुख सचिव.
उच्च शिक्षा, म०प्र० शासन
भोपाल (म०प्र०)

विषय - स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन.

द्वारा - कलेक्टर डिण्डौरी

मान्यवर

निवेदन है कि मेरी वर्तमान पदस्थापना सहा० प्राध्यापक रसायन पद पर शा० एल० जी० प० महाविद्यालय गंज बासोदा में है। डिण्डौरी जिले में प्रारंभ हो रही "परिवार मूलक ग्राम ~~स्वराज~~ व्यवस्था" में मेरी विशिष्ट अभिरुचि है। यदि मेरा स्थानांतरण शा० महाविद्यालय डिण्डौरी में कर दिया जावे तो मैं विभागीय दायित्वों के साथ दिव्य पथ संस्थान द्वारा संचालित अभिनव परियोजना में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करूँगा।

एतदर्थ.

डिण्डौरी

प्रार्थी

अभयपाण्डेय
सहा० प्रा० रसायन

प्रति,
प्रमुख सचिव
उच्च शिक्षा, म०प्र० शासन
भोपाल (म०प्र०)
व्दारा- कलेक्टर डिंडोरी.
विषय- स्थानांतरण आवेदन.

मान्यवर
निवेदन है कि सहा० प्राध्यापक रसायन पद पर शा० एस० जी० एस० महाविद्यालय गँजबासौदा में पदस्थ हूँ। दिव्यपथ संस्थान एवं म०प्र० शासन के संयुक्त तत्वावधान से डिंडोरी जिले में संचालित हो रही "परिवार मूलक ग्राम स्वराज" अभिनव परियोजना के मंगलाचरण से मैं सम्बद्ध रहा हूँ, उक्त कार्यक्रम के प्रति मेरी गहरी निष्ठा एवं अभिरुचि है। यदि मेरी पदस्थापना शा० महाविद्यालय डिंडोरी में संभव हो सके तो मैं विभागीय दायित्वों के निष्पादन के साथ उक्त परियोजना हेतु अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सकता हूँ।

एतदर्थ मेरा स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन विचारार्थ / निर्णयार्थ सादर सम्प्रेषित है।

समग्र आदर भावनाओं के साथ.

प्रार्थी
[signature]
अमर पाण्डेय.
सहा० प्रा० रसायन
शा० एस०जी० एस० महा०
गँजबासौदा. (म०प्र०)

गँजबासौदा.
26.9.06.

कार्यालय कलेक्टर, जिला-डिण्डौरी (म.प्र.)

क्रमांक/विकास /2006/ डिण्डौरी, दिनांक सितम्बर 2006

प्रति

1. अनुविभागीय अधिकारी
   (राजस्व) डिण्डोरी
2. तहसीलदार
   डिण्डोरी
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी
   जनपद पंचायत बजाग

विषय :-परिवार मूलक स्वराज व्यवस्था के संबंध में ।

उपरोक्त विषयांकित के संबंध में दिनांक 25.09.2006 को दोपहर 12.00 बजे कलेक्टोरेट सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गयी है । कृपया बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बजाग संबंधित सरपंच/उपसरपंच/सचिव, ग्राम पंचायत कौड़िया एवं ग्राम पंचायत पाटन को तहसीलदार डिण्डोरी उक्त पंचायतों के संबंधित राजस्व निरीक्षक व पटवारी को भी सूचित करते हुए बैठक में उपस्थिति कराना सुनिश्चित करें ।

कलेक्टर
डिण्डोरी

पृष्ठां.क्रमांक/विकास /2006/ 390 डिण्डौरी, दिनांक 15 सितम्बर 2006

प्रतिलिपि:-

1. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डिण्डोरी
2. उप संचालक पंचायत एवं सामाजिक न्याय डिण्डोरी
3. श्री नागराज शर्मा, नर्मदा मंदिर के सामने अमरकंटक जिला अनूपपुर

की ओर सूचनार्थ । कृपया उक्त बैठक में उपस्थित होने का कष्ट करें ।

कलेक्टर
डिण्डोरी

दिनांक 6/10/2006 को यह पत्र अमरकंटक में मिला।

① 12.9.06 - कलेक्टर महोदय से इस्माइल द्वारा सम्पर्क हुआ चर्चा । 13 को 1 बजे भेंट का समय तय

② 13/9 को भेंट । सम्पूर्ण समर्थ संतुष्ट । 25/9 को एक बाबाजी के साथ में बैठक तय

③ इं. बाबाजी, साधक, अध्यक्ष पांडे, अंजनी भाई, RI Bajaj, पटवारी, सचिव उपस्थित SDM, तहसीलदार की बैठक ।
4/10 को दोनों गांव में पुनः सभा

मध्यप्रदेश शासन,
पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग,
मंत्रालय,भोपाल ।

क्रमांक/एफ–16–20/2003/पं.–2/22/ भोपाल,दिनांक 24.7.2003

प्रति,

संस्थापक,
दिव्य पथ संस्थान,
अमरकंटक,जिला–शहडोल,
मध्यप्रदेश ।

विषयः–परिवार मूलक ग्रामस्वराज व्यवस्था ।

संदर्भः–आपका पत्र दिनांक 30.7.2003

विषयान्तर्गत आपके पत्र के संदर्भ में सह अस्तित्ववादी दृष्टिकोण पर आधारित परिवार मूलक ग्रामस्वराज व्यवस्था के क्रियान्वयन की सहमति निम्नानुसार दी जाती है :–

1. आपकी संस्था द्वारा सर्वेक्षण कर कुछ चुनिन्दा 2–3 ग्राम पंचायतों का चयन किया जायेगा जहाँ पर कि परिवार मूलक ग्रामस्वराज व्यवस्था को प्रमाणित किया जा सके ।

2. सम्पूर्ण कार्यवाही वर्तमान वैधानिक दायरे में की जावेगी ।

आपके प्रस्ताव अनुसार राज्य शासन ने निम्नानुसार 02 समितियों के गठन का निर्णय भी लिया है :–

सलाहकार समिति :–

1.	सचिव,पंचायत एवं समाज कल्याण	अध्यक्ष
2	आयुक्त,पंचायत एवं समाज कल्याण	सदस्य
3	दिव्य पथ संस्थान के दो प्रतिनिधि	सदस्य
4	श्री श्याम बोहरे,ग्रामस्वराज संस्थान,पन्ना	सदस्य
5	श्री आमोद खन्ना,ताल संस्था	सदस्य

कार्य समिति :–

1.	कलेक्टर	अध्यक्ष
2.	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	सदस्य
3.	उपसंचालक,पंचायत	सदस्य
4.	दिव्य पथ संस्थान के दो प्रतिनिधि	सदस्य

कृपया उपरोक्तानुसार समितियो के लिये दिव्य पथ संस्थान के प्रतिनिधियों का नामांकन शीघ्र प्रेषित करने का कष्ट करें ।

सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
पंचायत एवं समाज कल्याण,

S. BATHAM

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

क्रमांक / [illegible]- 6 [illegible] 2165 [illegible], दिनांक 10-11-2003

प्रति,

1. कलेक्टर,
   जिला-[illegible]
   मध्यप्रदेश ।
2. मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
   जिला पंचायत-डिण्डोरी,
   मध्यप्रदेश ।

विषयः-परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था ।

परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था के संदर्भ मे दिनांक 13.11.2003 को आयोजित बैठक [illegible] की जाती है । बैठक की आगामी तिथि से पृथक से अवगत कराया [illegible] ।

आयुक्त,
पंचायत एवं समाज कल्याण,
मध्यप्रदेश

पृ0क्रं / पंच.-6 / 2003 / 2166 भोपाल,दिनांक 10-11-2003

प्रतिलिपिः-

1. श्री [illegible] शर्मा,संस्थापक,दिव्य पथ संस्थान,नर्मदा मंदिर के [illegible] जिला [illegible] की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
2. श्री [illegible] कानपुर की ओर सूचनार्थ प्रेषित
3. [illegible] कार्यालय,पंचायत एवं समाज कल्याण,जिला डिण्डोरी की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

आयुक्त,
पंचायत एवं समाज कल्याण,
मध्यप्रदेश

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

स-4

दिव्य पथ संस्थान अमरकंटक
नर्मदा मंदिर के सामने, नर्मदांचल, अमरकंटक
जिला अनूपपुर, मध्यप्रदेश.
फोन: 07629-269407.

माननीय मुख्यमंत्री महोदय
म०प्र० शासन
भोपाल.

संदर्भ : पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग क्रमांक / एफ-16-20/2003/पं-2/22
दिनांक 24.7.03 एवं क्रमांक पंचा-6/2003/2165

विषय : परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था।

मान्यवर,

सह-अस्तित्ववादी दृष्टिकोण पर आधारित परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था के क्रियान्वयन की सहमति पूर्व सरकार के मुख्यमंत्री, पंचायत मंत्री एवं सचिव व आयुक्त पंचायत एवं समाजकल्याण विभाग से अनेक स्तरों पर हुई गोष्ठियों के उपरांत उपरोक्त संदर्भित पत्रों के माध्यम से की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमाभारती के अवगाहन में भी इस योजना को लाने के प्रयास किये गये। पंचायत मंत्री श्री नरेन्द्र तोमर जी से भी विगत 7 अक्टूबर 2004 को श्रद्धेय ए. नागराज अमरकंटक प्रणेता सह-अस्तित्ववाद, मानव केंद्रित मध्यस्थदर्शन की भेंट भोपाल में जीवन विद्या के पाँचवें राष्ट्रीय सम्मेलन के दरम्यान हुई थी। उन्होंने आयुक्त महो. को निर्देशित किया था। माननीय गोविंदाचार्य जी ने भोपाल एवं अमरकंटक में श्रद्धेय बाबाजी से तीन दिन तक दर्शन के एवं योजना के विविध पक्षों पर चर्चा की थी।

आपसे विनम्र अनुरोध है कि इसके क्रियान्वयन के लिये एवं तीव्रता के लिये आदेशित करने की विशेष कृपा करेंगे। श्रद्धेय बाबा श्री ए. नागराज जी की इस संबंध में आपसे चर्चा करने की भी इच्छा है। आपके समय की प्रतीक्षा रहेगी।

भवदीय

(हस्ताक्षर)
(साधन भट्टाचार्य)
दिव्य पथ संस्थान अमरकंटक.

10/10/04

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

मुख्य मंत्री कार्यालय
मध्य प्रदेश

क्र.:903/CMS/OPR/2004 भोपाल, दिनांक: 05/11/2004

प्रति,

श्री साधन भट्टचार्य,
दिव्य पथ संस्थान, नर्मदा मंदिर
के सामने नर्मदा चल अंमरकंटक
जिला अनुपपुर म.प्र.

विषय :परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था.

उपरोक्त विषयक मान, मुख्यमंत्रीजी को प्रेषित पत्र/टीप दि.30/10/2004 प्राप्त हुआ. उक्त पत्र प्रमुख सचिव/सचिव, पंचायत और ग्रामीण विभाग को आगामी कार्यवाही के लिए इस कार्यालय के जावक क्र.903/CMS/OPR/2004 दि.05/11/2004 द्वारा प्रेषित किया गया है.

अवर सचिव
मुख्यमंत्री

पंचायत एवं सामाजिक न्याय संचालनालय,म0प्र0
तुलसीनगर (1250)भोपाल

क्रमांक / पंचा0 16 / 2004 / 1791 भोपाल,दिनांक 25 नवम्बर 04

प्रति,

श्री साधन भट्टाचार्य,
दिव्य पथ संस्थान अमरकंटक,
नर्मदा मंदिर के सामने,नर्मदा तट अमरकंटक
जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश

विषय:– परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था ।
संदर्भ:– माननीय मुख्यमंत्रीजी को संबोधित आपका पत्र दिनांक 30.10.04

–– 0 ––

उपरोक्त विषय में संदर्भित पत्र का अवलोकन कीजिए । परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था के संबंध में आपने चर्चा हेतु समय चाहा है कृपया दिनांक 2.12.04 से 8.12.04 के मध्य आयुक्त पंचायत एवं सामाजिक न्याय से उनके कार्यालय में समक्ष में आकर पूरे विषय पर चर्चा करें । कृपया आने से पूर्व फोन पर समय तय करने का कष्ट करें । (फोन नम्बर 95755–2556916)

(आयुक्त द्वारा आदेशित)

उप संचालक,(पंचा0)
वास्ते–आयुक्त,
पंचायत एवं सामाजिक न्याय,
मध्यप्रदेश

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

पंचायत एवं सामाजिक न्याय संचालनालय,मध्यप्रदेश

कमांक / पंचा–6 / 2004 / 1922 भोपाल,दिनांक 13 दिसंबर 04

प्रति,

कलेक्टर,
जिला–डिण्डौरी,
मध्यप्रदेश ।

विषयः– ग्राम स्वराज व्यवस्था विषयक ।

--0--

संस्थापक, दिव्यपथ संस्थान, अमरकंटक, जिला शहडोल द्वारा सह अस्तित्वादी दृष्टिकोण पर आधारित परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था के कियान्वयन की कार्यवाही जिला डिंडौरी की एक या दो ग्राम पंचायतों में करना चाहते हैं ।

2/ मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं सामाजिक न्याय द्वारा ज्ञापन कमांक/एफ16–20/2003/पं–2/22, दिनांक 24.7.03 से संबंधित संस्थान को कियान्वयन की सहमति दी है । सहज संदर्भ हेतु पत्र की छाया प्रति संलग्न है। पत्रानुसार जिला स्र पर कार्य समिति का गठन भी किया जाना है, जिसमें निम्न होंगे :–

1	कलेक्टर	अध्यक्ष
2	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	सदस्य
3	उप संचालक पंचायत	सदस्य
4	दिव्य पथ संस्थान के दो प्रतिनिधि	सदस्य

3/ संस्थान के श्री साधन भट्टाचार्य आपसे संपर्क कर विस्तृत जानकारी देंगें । तदनुसार जिले की चुनिन्दा पंचायतों में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने की कार्यवाही कर अवगत करावें । संबंधित को दूरभाष कमांक 07629 269631 तथा 269407 है ।

आयुक्त
पंचयित एवं सामाजिक न्याय,म0प्र0

पृ0 कं0 / पंचा–6 / 2004 / 1923 भोपाल,दिनांक 13 दिसंबर 04

प्रतिलिपिः–

1. प्रमुख सचिव, माननीय मुख्यमंत्रीजी, मंत्रालय,मध्यप्रदेशभोपाल के पत्र कमांक 903 / सीएमएस / ओपीआंर / 04, दिनांक 5.11.04 के संदर्भ में सूचनार्थ ।
2. श्री साधन भट्टाचार्य, दिव्यपथ संस्थान, नर्मदा मंदिर नर्मदांचल, अमरकंटक, जिला अनुपपूर की ओर दिनांक 6.12.2004 को हुई चर्चा के संदर्भ में सूचनार्थ। कृपया कलेक्टर डिंडौरी से संपर्क कर आवश्यक कार्यवाही कर की गई कार्यवाही से अवगत कराने का कष्ट करें ।
3. उप संचालक, पंचायत एवं सामाजिक न्याय, जिला डिंडौरी की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

आयुक्त
पंचायत एवं सामाजिक न्याय,म0प्र0

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

सं – 8

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल बजाग

माक /क्यूं/रा. नि. /2005

दिनॉक 2/6/2005

प्रति ,

मान‌नीय श्री कलेक्टर महोदय डिण्डौरी

द्वारा :– श्री मान् अनुविभागीय अधिकारी महोदय (राजस्व) डिण्डौरी

बिषयः– ग्रामो की जानकारी के संबध में

सदर्भ :– दिनॉक 25/5/2005 की राजस्व अधिकारीयों की बैठक की दौरान दिये मौखिक निर्देश के क्रम में

आदरणीय महोदय,

संदर्भित निर्देश के परिपालन में राजस्व निरीक्षक मण्डल बजाग तहसील व जिला डिण्डौरी के अन्तर्गत आपके द्वारा निर्देशित बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए निम्न दो ग्राम प्रस्तावित है ।

1. ग्राम कौड़िया प.ह.नं. 82 :– श्री नर्मदा जी (नदी) के किनारे है , 5 टोलो के रूप में बसाहट है , इस ग्राम में क्रमशः 4 धर के अहीर जाति के,10 धर के पनिका जाति के , 1धर लोहार जाति का है एंव शेष लगभग 200 परिवार / धर गोंड जाति के है। ग्राम की मिट्टी (लगभग) 70 प्रतिशत काली उपजाऊ है , 30 प्रतिशत भूमि बर्रा किश्म की भूमि है । ग्राम में विधुत लाईन एंव कुछ धरो में विधुत कनेक्शन है यह ग्राम गाड़ासरई से डिण्डौरी मार्ग पर खरगहना ग्राम से 6 कि. मी. उत्तर दिशा की ओर नदी के किनारे है , गाड़ासरई से कुल दूरी 18 कि. मी. है । किसी भी वाहन से ग्राम तक सुगमता से पहुँचा जा सकता है डूब के अन्तर्गत ग्राम नही आता ।ग्राम में 232 छोटे बडें खातेदार है इनमें से कुछ ग्राम के बाहर निवास करते है ।

2. ग्राम पाटन प.ह.नं. 97 :– यह ग्राम भी श्री नर्मदा जी (नदी) से लगा है /किनारे है , 2टोलो केरूप में मुख्य बसाहट है , बसाहट नदी से लगभग एक डेढ़ किलोमीटर दूरी पर है । नदी के किनारे खेती की भूमि है , इस ग्राम में सहीस जाति के 1धर , पनिका जाति के 3 धर , अहीर जाति के 8 – 10 धर शेष लगभग 150 धर/परिवार गोंड़ जाति के है । ग्राम की लगभग 70 प्रतिशत मिट्टी काली उपजाऊ है शेष 30 प्रतिशत मिट्टी बर्रा है जिसमें भी खेती होती है । ग्राम में विधुत लाईन एंव कुछ धरो में विधुत कनेक्सन है । यह ग्राम गाडासरई से उत्तर – पूर्व की दिशा में नदी के किनारे है गाड़ासरई से इस ग्राम की दूरी 6 कि.मी. हैं । गाड़ासरई से इस ग्राम में मोटर साईकिल , जीप , ट्रेक्टर , ट्रक ,से पहुचा जा सकता है । गाड़ासरई से ग्राम तक सडक है पर मरम्मत न होने से कुछ जगह उबड़ खाबड़ हो गये है । यह ग्राम डूब के अंतर्गत नही आता है ।ग्राम में 154 छोटे बडे कृषक खाते दार है इनमें से कुछ ग्राम से बाहर निवास करते हैं ।

सादर ।

एस.एल.बर्मन

राजस्व निरीक्षक मण्डल बजाग

स - 9

कार्यालय कलेक्टर डिण्डोरी

क्रमांक/विकास/2005/ 3167 डिण्डोरी दिनांक 6 जून 2005

प्रति

आदरणीय श्री नागराज जी महाराज
नर्मदा उद्गम परिसर के पास
अमरकंटक जिला अनूपपुर

विषय:- ग्रामें के समग्र विकास योजना अन्तर्गत ग्रामों के चयन संबंधी जानकारी ।

महोदय

विषयांकित में स्मरण होगा कि दिनांक 23.5.2005 को अमरकंटक प्रवास के दौरान हुई चर्चा के अनुरूप मेरे द्वारा अधिनस्थ राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपकी वांछा अनुसार दो ग्रामों के चयन हेतु निर्देशित किया गया था, तद्नुसार क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक बजाग के द्वारा ग्राम चयन संबंधी जानकारी दी गयी है, जो मूलतः संलग्न है । जानकारी प्राप्त होने के उपरांत कृपया इन ग्रामों में लागू होने वाली योजनाओं के संबंध मे अवगत कराने का कष्ट करें ।

सहपत्र:- उपरोक्तानुसार

कलेक्टर
डिण्डोरी

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

अस्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर
परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में
प्रथम संवाद सूचि
(स्वीकृति के लिए विकल्पात्मक बिंदु)

संग्रह-सुविधा के विकल्प में समाधान-समृद्धि संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
स्वयं में विश्वास, परस्परता में विश्वास सहित मानवीयतापूर्ण आचरण पूर्वक जीना	चाहिये	नहीं चाहिये
परिवार व ग्राम में परस्पर संबंध निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सदा-सदा संबंधों में विश्वास निर्वाह होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी व श्रम सहित ग्राम व्यवस्था में भागीदारी करना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी नर-नारियों के सहमति पूर्वक ग्राम व्यवस्था में, से, के लिए जिम्मेदार होना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्राम वासियों की परस्परता में जाति, पद, धन के आधार पर अपना-पराया का दीवार मिटाना	चाहिये	नहीं चाहिये
सभी ग्रामवासी श्रमशीलता में दृढ़ता बनाए रखते हुए सभी प्रकार के समाधान के लिए समझदारी संपन्न होना	चाहिये	नहीं चाहिये
समझदारी से समाधान, श्रमपूर्वक समृद्धि होने में विश्वास (भरोसा) होना	चाहिये	नहीं चाहिये

सं-11

अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिंतन के आधार पर

~~ग्राम मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में~~

द्वितीय ~~सूचि~~ संवाद सूचि

(विश्वास बिंदु)

हर परिवार समझदारी सहित समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने में विश्वास	है	नही है
मानवीयतापूर्ण आचरण सहित जीने देने व जीने में विश्वास	है	नही है
परिवार में, पूरा ग्राम में संबंध को निर्वाह करने में विश्वास	है	नही है
ग्राम मे जितने भी परिवार हैं, उनके साथ जीने में विश्वास	है	नही है
परिवार में समाधान - समृद्धि पूर्वक जीने और ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी करने में विश्वास	है	नही है
हर परिवार में, हर नर - नारी में से एक सदस्य ग्राम स्वराज्य व्यवस्था में भागीदारी ~~करने में विश्वास~~	है	नही है
ग्राम में हर परिवार, हर परिवार में हर सदस्य मानव व मानवीयता के आधार पर पहचानने व निर्वाह करने में विश्वास	है	नही है
पूरे ग्रामवासियों में समझदारी- श्रमशीलता सहित समाधान- समृद्धि सहज प्रमाण प्रस्तुत करने में विश्वास	है	नही है
ग्राम के सभी परिवारों में हर नर-नारी समझदारी पूर्वक ही समाधान, श्रम पूर्वक ही समृद्धि संपन्न होने में विश्वास	है	नही है

~~अस्तित्व मूलक मानव~~ केंद्रित चिंतन के आधार पर
परिवार मूलक ग्राम-मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था के संदर्भ में

तृतीय संवाद सूचि
(सत्यापन बिंदु)

हम परिवार समाधान-समृद्धि पूर्वक जीने का — सत्यापन

हम स्वयं में विश्वास करने, श्रेष्ठता का सम्मान करने, प्रतिभा व व्यक्तित्व में संतुलन सहज प्रमाण प्रस्तुत करने, व्यवहार में सामाजिकता व उत्पादन में स्वावलंबन प्रमाणित करने का — सत्यापन

हर परिवार में सभी संबंधों व मूल्यों का निर्वाह करने और परिवार सभा, परिवार समूह सभा, ग्राम परिवार सभा में भागीदारी करने का — सत्यापन

परिवार संबंधों में मानवीयता सहित मानव संस्कृति-सभ्यता सहज निर्वाह करने का — सत्यापन

परिवारों और सभाओं में विधि-व्यवस्था में निर्वाह रूप में भागीदारी करने का — सत्यापन

मानवीय शिक्षा-संस्कार, न्याय-सुरक्षा सुलभ होने में भागीदारी करने का — सत्यापन

उत्पादन कार्य, विनिमय कोष कार्य सहज, सुलभ होने में भागीदारी करने का — सत्यापन

स्वास्थ्य संयम कार्य सहज सुलभ होने में भागीदारी करने का — सत्यापन

हर परिवार में समझदारी से समाधान, श्रम से समृद्धि संपन्न होने का — सत्यापन

स्तित्व मूलक मानव केंद्रित चिंतन के आधार पर
रिवार मूलक ग्राम मोहल्ला स्वराज्य व्यवस्था स्थापित होने के संदर्भ में

चतुर्थ सूचि
(संकल्प बिन्दु)

हम परिवार में समाधान - समृद्धि पूर्वक न्याय- व्यवस्था में जीने का — संकल्प

समाधान- समृद्धि सहित जीता हुआ दश परिवार से निर्वाचित दस सदस्यीय परिवार समूह सभा में न्याय पूर्वक जीते हुए, उत्पादित वस्तुओं का उपयोगिता मूल्य के आधार पर मूल्यांकन विनिमय सहित, मानवीयतापूर्ण आचरण- व्यवहार करने का — संकल्प

दश परिवार समूह सभा में से निर्वाचित दश सदस्यीय ग्राम सभा में आमी व्यवस्था सहज विधि से जीने का — संकल्प

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

आज दि० 05.01.2006, स्थान-डिंडोरी कलेक्टेट सभागृह (कार्यालय)

सन्दर्भ - परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था हेतु

यह गोष्ठी पूज्य बाबा श्री ए. नागराज जी संस्थापक दिव्य पथ संस्थान अमरकंटक के मार्ग दर्शन में सम्पन्न हुयी। जिसमें कार्य समिति के निम्न सदस्य उपस्थित रहे।

1 - श्री अशोक कुमार भार्गव कलेक्टर डिंडोरी
2 - " बृजलाल मिश्रा एस.डी.एम "
3 - " जे. पी. यादव तहसीलदार "
4 - " राकेश कुमार नायब तहसीलदार "
5 - " डी. आर. परमार C.E.O बजाग
6 - " जे. एस. धुर्वे RI करंजिया
7 - " सर्वनलाल कर्ण RI

दिव्य पथ संस्थान की ओर से श्री साधन भट्टाचार्य, श्री सुशील सिंह एवं श्री अंजनी अग्रवाल उपस्थित रहे। दोनों ग्राम के सरपंच एवं दिव्य पथ संस्थान से अभय पांडेय उपस्थित नहीं हो सके।

सर्व प्रथम सभी उपस्थित सदस्यों का परिचय हुआ तत्पश्चात पूज्य बाबाजी ने प्रथम विश्वास बिन्दु पर चर्चा प्रारम्भ की और विस्तार से पुनः समझाया

माननीय कलेक्टर महोदय ने इन नौ विश्वास बिन्दुओं को सर्व मानवोपयोगी धर्म निरपेक्ष एवं अत्यन्त व्यवहारिक बताते हुये स्नेह पूर्ण सहमति एवं पूर्ण सहयोग प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया।

श्री बृजलाल मिश्रा जी ने भी उक्त चर्चा पर अपनी सहमति जताई एवं क्रमशः उपस्थित सदस्यों ने अपनी स्वीकृति एवं भागीदारी का आश्वासन दिया।

पूज्य बाबाजी ने कार्य समिति के सदस्यों के साथ तीन दिवसीय शिविर का प्रस्ताव रखा जिसे सभी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की। कलेक्टर महोदय ने शिविर स्थली ग्राम को डिंडोरी सुनिश्चित किया। कार्य समिति ने स्वीकार किया

क्रमशः

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

निरीक्षण के साथ एवं विस्तार निरीक्षण की जिम्मेदारी श्री
साधन जी को दी गयी जिसे निश्चित कर सूचना प्रेषित
समय पर प्रेषित करेंगे।

उपरोक्त महत् कार्य को सम्पन्न करने के लिये
ग्राम कौडिया में दिव्य पथ संस्थान के सदस्यों के
अंश कालिक निवास हेतु आवश्यकता पर बल दिया
गया जिसे दिव्य पथ संस्थान के सदस्यों ने सहमति दी
इसपर एस.डी.एम. श्री मिश्रा जी ने आवास उपलब्ध कराने
की जिम्मेदारी ली। कौडिया निवासी श्री जे. एस. धुर्वे
ने प्रारम्भिक अवलोकन कर सूचित करने की जिम्मेदारी
ली।

दिव्य पथ संस्थान के सदस्य श्री अभय पांडेय
को प्रोजेक्ट आफीसर के रूप में डिंडोरी में पदस्थ करने
का सुझाव पूज्य बाबाजी ने दिया। माननीय कलेक्टर
महोदय ने म.प्र. शासन को अनुसंशा करने की
जिम्मेदारी स्वीकारी तथा अभय पांडेय जी से सहमतिपत्र
की आवश्यकता बताई जिसे साधन जी ने प्राप्त
करने का दायित्व स्वीकारा।

अशोक कुमार राय
(आई. ए. एस.)
कलेक्टर
एवं
जिला दण्डाधिकारी
जिला-डिण्डौरी (म.प्र.)

(07644)234174 - दूरभाष (कार्या.)
234175 - (निवास)
07644-234166 - फैक्स
कार्यालय कलेक्टर, जिला-डिण्डौरी
अर्धशासकीय पत्र क्र./
दिनांक

परम् श्रद्धेय,

अत्यंत आदर सहित अभिवादन।

आपका पत्र दिनांक 23.07.2005 प्राप्त हुआ। आपके आशीष अभिसिंचन से मेरे ह्रदय में अपार खुशी हुई है। कृपया पत्र में उल्लेख की गयी कार्ययोजना भेजने का कष्ट करें। आपकी इस सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्ति के सर्वांग विकास की योजना में मुझे पूर्ण सहयोग करके आत्मसंतोष प्राप्त होगा।

आपके द्वारा भेजी गयी दो पुस्तकें "मानव व्यवहार दर्शन" एवं "जीवन विद्या एक परिचय" प्राप्त हो गयी हैं। इनके संक्षिप्त अध्ययन से ही आपके प्रति अपार श्रद्धा व प्रेम की जो अनुभूति हुई है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

मैं यदि आपके चिंतन, दर्शन और व्यक्ति विकास एवं ग्राम सुराज की अवधारणा के संदर्भ में जितना भी सहयोग कर सकूँ, वह बहुत थोड़ा ही होगा।

कृपया अपने स्नेह और आशीर्वाद से अभिसिंचित करते रहें तो आपकी अपार कृपा होगी।

पुनः अत्यंत आदर!

भवदीय

4.8.05

(अशोक कुमार राय)

प्रति,

परम् आद. श्री ए. नागराज शर्मा जी
प्रणेता मध्यस्थ दर्शन (सह-अस्तित्ववाद)
श्री भजनाश्रम, नर्मदा मंदिर के सामने
अमरकण्टक (म.प्र.)

गोष्ठी दिनांक 12/11/05, स्थान - कलेक्टर निवास, डिण्डोरी समय 1:45 अपरान्ह

उपस्थित सदस्य 1. श्री अशोक कुमार राय कलेक्टर
2. श्री अजय पाण्डेय. सहा. आरक्षाना,
3. श्री साधन भट्टाचार्य दिव्य पथ संस्थान, सदस्य
4. श्री चन्द्रशेखर सिंह —,,—

परस्पर परिचय के उपरान्त कार्यगोष्ठी के लिए स्थान का चुनाव पर चर्चा हुई माननीय कलेक्टर महोदय ने 30/12/05 को डिण्डोरी कलेक्टोरेट में बैठक का सुझाव दिया समय 3 से 5 अपराह्न। जिसे सभी सदस्यों ने स्वीकार किया।

कार्य समिति के गठन के मुद्दे पर माननीय कलेक्टर महोदय ने निम्न शासकीय सदस्यों का नाम प्रस्तावित किया

1. श्री अशोक कुमार राय कलेक्टर
2. श्री बृजलाल मिश्रा एस डी एम.
3. श्री जे. पी. यादव तहसीलदार
4. श्री राकेश कुमार नायब तहसीलदार
5. श्री डी. आर. परमार CEO जनपद
6. श्री जे. एस. धुर्वे RI
7. श्री सर्वनलाल बर्मन RI

दिव्यपथ संस्थान की ओर से श्री साधन भट्टाचार्य ने निम्न सदस्यों के नाम प्रस्तावित किये

1. श्री अजय पाण्डेय
2. श्री साधन भट्टाचार्य
3. श्री सुशील सिंह

जिसे सभी व्यक्तियों ने स्वीकार किया एवं सहमत हुए।

परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था
(मध्यस्थ दर्शन सह–अस्तित्ववाद पर आधारित प्रेणता व लेखक ए0नागराज, संस्थापक दिव्य पथ संस्थान)

ग्राम स्वराज्य व्यवस्था को देश में और मध्यप्रदेश में एक आवश्यकता के रूप में स्वीकारा गया है। इसकी अवधारणा योजना, कार्यक्रम, क्रियान्वयन, फल परिणाम व मूल्यांकन को लेकर अनेक विचार–गोष्ठी, प्रस्ताव व प्रयास किये गये। परंतु इनमें संविधान, राज्य सरकार और जनमानस की अपेक्षाओं की एकसूत्रता का व पूरा होने की संभावना का अभाव बना रहना दिखता है।

मध्यस्थ दर्शन 'सह–अस्तित्ववाद' के आधार पर 'परिवारमूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था' की अवधारणा में उपरोक्त तीनो अपेक्षाओं की एकसूत्रता व उनका पूरा होना की संभावना स्पष्ट होती है।

इसी को केन्द्र में रखकर 24 से 26 जुलाई 2003 के दौरान आयुक्त, पंचायत एवं समाज कल्याण, म0प्र0, श्री मनोज झालानी द्वारा श्रद्धेय ए0नागराज (प्रणेता मध्यस्थ दर्शन) उनके सहयोगी व पंचायत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक व विचार–गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी में सविधान मानसिकता, शासन मानसिकता व आमजन मानसिकता के साम्य बिन्दु, मिलन बिन्दु पर चर्चा हुई। संविधान मानसिकता को समानता एवं सम्प्रदायनिरपेक्षता के रूप में पहचाना गया। राज्य शासन मानसिकता को पंचायत राज्य व ग्राम स्वराज्य को सफल बनाने के अर्थ में पहचाना गया। आम जनमानसिकता को संग्रह–सुविधा के स्थान पर समाधान, समृद्धि के रूप में परिवर्तित करने की आवश्यकता को पहचाना गया। इन तीनों मानसिकता के साम्य व मिलन बिन्दु को सह–अस्तित्ववादी 'परिवारमूलक ग्राम स्वराज्य व्यस्था' में देखा गया। 'परिवारमूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था' में इन तीनों मानसिकता की अपेक्षाएं पूरी हो सकती है, ऐसा स्पष्ट हुआ। इसी क्रम में 'लोक शक्ति योजना' व 'परिवारमूलक ग्राम स्वराज्य योजना' का मूल व विस्तृत प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया (संलग्नक–1)।

'परिवारमूलक ग्राम स्वराज्य' योजना के क्रियान्वयन के क्रम में सलाहकार समिति का गठन किया गया एवं कार्य समिति की रूपरेखा तैयार की गई, जिसमें दिव्य पथ संस्थान के दो–दो प्रतिनिधि होने का प्राविधान रखा गया (संलग्नक–2)। इस आशय का पत्र आयुक्त पंचायत व जन कल्याण द्वारा श्रद्धेय ए0नागराज को दिनांक–24–07–2003 को भेजा गया।

परिवार मूलक स्वराज्य व्यवस्था को दो स्तरों पर लागू करने की सहमति बनी थी – 1. चयनित ग्रामों में

1. चयनित ग्रामों में–कुछ चयनित ग्रामों में ग्राम स्वराज्य के सभी आयामों (शिक्षा संस्कार,

न्याय सुरक्षा, उत्पादन कार्य, विनिमय कोष स्वास्थ्य संयम) पर समझ का लोक व्यापीकरण एवं कार्य कार्य–व्यवहार, व्यवस्था में भागीदारी को प्रमाणित करना।

2. राज्य स्तर पर–राज्य स्तर पर 'परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था' योजना की अवधारणा व योजना कार्यक्रम में ग्राम सभा के सदस्यों अन्य संबंधित व्यक्तियों व अधिकारियों को प्रशिक्षित करना।

चयनित ग्रामों में कार्यक्रम प्रारंभ करने की दृष्टि से डिंडोरी जिला जो अमरकंटक के निकट है, को प्रस्तावित किया गया। इस आशय से मा0आयुक्त द्वारा 13–11–2003 को एक बैठक निश्चित की गई जो अपरिहार्य कारणों से स्थगित करनी पड़ी, (संलग्नक–3 आयुक्त का पत्र दिनांक–10–11–203)।

स्वराज्य व्यवस्था की आवश्यकता और क्रियान्वयन के संदर्भ में 1 अक्टूबर 2004 को तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय उमा भारती व 07 अक्टूबर 2004 को पंचायत मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी से चर्चा हुई और दोनों ने इसकी सहमति व स्वीकृति श्रद्धेय ए0नागराज जी के सामने रखी। 30 अक्टूबर 2004 को (संलग्नक–4) साधन भट्टाचार्य ने क्रियान्वयन कार्य को गति देने की अपेक्षा से तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री कार्यालय ने प्रमुख सचिव/सचिव, पंचायत राज और ग्रामीण विकास विभाग को आगामी कार्यवाही के लिये पत्र लिखा (संलग्नक–5)।

आयुक्त पंचायत राज ने अपने पत्र दिनांक–25 नवम्बर 2004 (संलग्नक–6) द्वारा साधन जी को 2 से 8 दिसम्बर 2004 के बीच चर्चा के लिये आमंत्रित किया। आयुक्त ने कलेक्टर, डिंडोरी को भी इस आशय का पत्र लिखकर सूचित किया कि डिंडोरी जिला में कुछ गांवों को चयनित कर 'परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य योजना' के क्रियान्वयन में आवश्यक सहयोग प्रदान करें (पत्र दिनांक–13–12–04 संलग्नक–7)। इस संदर्भ में 28–12–04 को कलेक्टर, डिंडोरी के साथ निर्धारित (साधन जी व सुशील जी की) बैठक हो नही पायी।

डिंडोरी जिला में ग्रामों के चयन के क्रम में अनुविभागीय अधिकारी बजाग तहसील ने कौड़िया व पाटन ग्राम को प्रस्तावित करते हुये 02–06–05 को कलेक्टर डिंडोरी को पत्र लिखा (संलग्नक–8)। ये गांव नर्मदा के किनारे बसे है और गाडासरई ब्लाक में आते है। यह कार्यवाही, कलेक्टर डिंडोरी श्री ए0के0 राय की अमरकंटक में श्रद्धेय ए0नागराजी जी के साथ हुई भेंट व चर्चा के फलस्वरूप हुई (दिनांक–23–05–05 संलग्नक–9 पत्र दिनांक–06–06–05)। अतः उक्त जानकारी को कलेक्टर द्वारा श्रद्धेय नागराज जी को उपलब्ध कराया गया (संलग्नक–9)।

इसी क्रम में गाड़ासरई में कलेक्टर द्वारा 30–06–05 को एक बैठक तय की गई जो स्थगित होकर 22 जुलाई 05 को संपन्न हुई जिसमें श्रृद्धेय बाबाजी के कलेक्टर ए0के0 राय, एस0डी0एम0 श्री बृजलाल मिश्रा आदि उपस्थित थे। ग्राम कौड़िया व पाटन के जनसंपर्क के दौरान कलेक्टर व एस0डी0एम0 ने जिस उत्साह वर्धन व धैर्य बंधाने का परिचय दिया वह प्रशंसनीय था। ग्रामवासियों ने भी 'परिवार मूलक स्वराज्य व्यस्था' में भागीदारी के

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

लिये उत्साह दिखाया। दोनों ग्रामों में 3–3 व्यक्ति ने प्रस्तावित सूची (प्रथम सूची चाहिये / नही चाहिये) के आधार पर प्रत्येक परिवार का सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी स्वीकारी।

सर्वेक्षण के लिये 4 संवाद सूची बनायी गई है (संलग्नक–10 से 13)।

प्रथम सूची–'स्वीकृति के लिये विकल्पात्मक बिन्दु' में सामान्य ग्रामवासियों को क्या स्वीकृत होता है, इसे तय करने के 9 बिन्दु प्रस्तुत किये गये, जिनसे सामान्य रूप से जन आकांक्षा की स्पष्टता होती है।

द्वितीय सूची–'विश्वास बिन्दु' में यह निश्चय करने की कोशिश की गई है कि क्या इन अपेक्षाओं को पूरा करने में हमें स्वयं में विश्वास है या नहीं (उपरोक्त–9 बिन्दुओं पर); अगर विश्वास नही है तो इससे 'परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था' के आधारभूत सह–अस्तित्ववादी विचार के अध्ययन के आधार पर हर व्यक्ति में उपरोक्त 9 बिन्दुओं पर स्वयं में विश्वास बनने की संभावना समीचीन है। इस संदर्भ में यह भी स्पष्ट होता है कि 'परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था' के लिये शहरों की तुलना में ग्रामों में अनुकूलता अधिक है (संलग्नक–14 ग्राम अनुकूलता)।

तृतीय सूची–'सत्यापन सूची' में अध्ययन के आधार पर स्वयं में समाधान परिवार में समाधान, समृद्धि पूर्वक जीने का सत्यापन ग्राम–स्वराज्य व्यवस्था के पांचों आयामों में भागीदारी का सत्यापन (9 बिन्दू)।

चतुर्थ सूची–'संकल्प बिन्दू'–परिवार में समाधान, समृद्धि पूर्वक जीते हुये परिवार समूह सभा व ग्राम सभा में भागीदारी का संकल्प।

कलेक्टर डिंडोरी ने 'मध्यस्थ दर्शन' के प्रारंभिक अध्ययन के आधार पर इसकी महत्ता व संभावना को स्वीकारते हुये इस पर आधारित ग्राम स्वराज्य योजना में हर संभव सहयोग करने का उत्साह व संकल्प व्यक्त किया (संलग्नक–15 पत्र दिनांक–04–08–05)।

इसी क्रम में 12 नवम्बर 05 को कलेक्टर निवास डिंडोरी में अगली बैठक संपन्न हुई। जिसमें साधन भट्टाचार्य, अभय पाण्डे, चन्द्रशेखरू, कलेक्टर डिंडोरी आदि उपस्थित थे। इसमे कार्य समिति का गठन किया गया। जिसमें दिव्य पथ संस्थान की ओर से श्री अभय पांडे, साधन भट्टाचार्य, सुशील सिंह का नाम रखा गया (संलग्नक–16)।

अगली बैठक 05 जनवरी 2006 को श्रद्धेय बाबा नागराज जी के मार्गदर्शन में डिंडोरी कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। जिसमें कलेक्टर श्री ए0के0राय, एस0डी0एम0 बृजलाल मिश्रा, तहसीलदार जे0पी0 यादव आदि व दिव्य पथ संस्थान की ओर से सर्वश्रभ साधन भट्टाचार्य, सुशील सिंह, अंजनी अग्रवाल उपस्थित थे। इसमें बाबाजी ने प्रथम सूची, विकल्पात्मक बिन्दु स्वीकृति के लिये पर विस्तार से चर्चा रखी। माननीय कलेक्टर ने इन नौ बिन्दुओ को सर्व मानवोपयोगी, सम्प्रदायनिरपेक्ष व अत्यन्त व्यवहारिक बताते हुये सहमति व्यक्त की और पूर्ण सहयोग प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया। बाबाजी ने कार्यसमिति के सदस्यों के साथ तीन दिवसीय शिविर का प्रस्ताव रखा जिसे सभी ने स्वीकृति प्रदान की। इसका स्थान ग्राम कौड़िया निश्चित हुआ। 'परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था' के महत् कार्य को संपन्न करने के लिये ग्राम कौड़िया में दिव्य पथ संस्थान के सदस्यों के अंशकालिक

www.madhyasthdarshan.info - Information Portal

निवास के लिये आग्रह किया गया, जिसे दिव्य पथ संस्थान के सदस्यों ने स्वीकृति दी। दिव्य पथ संस्थान के सदस्य श्री अभय पाण्डे को प्रोजेक्ट आफिसर के रूप में डिडोरी पदस्थ करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसके लिये माननीय कलेक्टर ने म0प0 शासन को अनुशंसा करने की जिम्मेदारी स्वीकारी (संलग्नक–17 गोष्ठी कार्यवाही 5–1–6)।

इस क्रम में दिव्वयपथ संस्थान के कार्यकर्ताओं ने ग्राम कौड़िया के निवासीयों और कार्यसमिति के सदस्यों की एक बैठक बुलाने का निश्चय किया। माननीय कलेक्टर महोदय को इस आशय का पत्र साधन जी द्वारा भेजा गया (11/2 का पत्र संलग्नक–18)। जिससे 13–03–06 प्रातः 11 से 3 बजे बैठक की सूचना एंव निमंत्रण प्रस्तुत किया गया।

माननीय कलेक्टर श्री अशोक कुमार राय जी के स्थानांतरण के कारण बैठक स्थगित हो गई।

उन्नीस फरवरी 2006 को श्री साधन जी ने माननीय कलेक्टर श्री ई0रमेश कुमार जी से दूरभाष पर संपर्क कर मिलने का समय चाहा गया, जिससे श्रीमान को अब तक कार्य की सूचना एवं भविष्य की रूपरेखा बताई जा सके। श्रीमान कलेक्टर महोदय ने अगले ही दिन 20/02/06 दोहपर 1 बजे बैठक नियत की।

20 फरवरी को श्री साधन जी ने डिंडौरी कलेक्टर कार्यालय में उपस्थिति होकर कार्य की सूचना एंव भविष्य की रूपरेखा स्पष्ट की। इससे साथ लोकशक्ति परिवार मूलक स्वराज्य योजना का एक प्रति मानव व्यवहार दर्शन को एक प्रति, एवं एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिस पर माननीय कलेक्टर महोदय से अवगायहन के पश्चात, सूचना देने का निर्देश दिया (संलग्नक–19)।

प्रति

श्री मनोज श्रीवास्तव
आयुक्त
पंचायत एवं समाज कल्याण
मध्यप्रदेश शासन
भोपाल

विषय: परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था योजना के तहत कार्ययोजना, परामर्श, सहमति एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया।

महोदय,

मध्यप्रदेश शासन की मंशा के अनुकूल ग्राम स्वराज व्यवस्था को सफल और प्रमाणित करने की संभावनाओं की पहचान के लिये 25-26 जुलाई, 2007 को भोपाल में आपके द्वारा विचार गोष्ठी एवं बैठक का आयोजन किया गया। गोष्ठी में ग्राम स्वराज्य व्यवस्था के क्रियान्वयन, सम्भावना एवं उद्देश्य को पूर्ति में आने ~~वाले व्यवधान, समस्या के विभिन्न~~ पक्षों पर चर्चा की गई। साथ ही पंचायत राज व्यवस्था को सफल करने और प्रमाणित करने की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। चर्चा में यह पहचानने का भी प्रयास किया गया कि ग्राम स्वराज को प्रमाणित करने की कार्ययोजना की रूपरेखा क्या होगी तथा उसके क्रियान्वयन के क्या चरण होंगे इस पर भी चर्चा हुई।

गोष्ठी में इस चिंता पर भी चर्चा हुई कि पंचायत राज व्यवस्था और ग्राम स्वराज व्यवस्था के क्रियान्वयन के क्रम में ग्राम पंचायतों एवं ग्राम समाज में बढ़ने वाले वैर-विरोध, अपराध प्रवृत्ति से कैसे

निपटा जाये। ऐसा क्या किया जाये ताकि मानव परस्परता में समाधानपूर्वक और सह-अस्तित्व के साथ जी सके।

इसी प्रकार सरकार ग्राम पंचायतों एवं ग्रामों को स्वायत्त एवं स्वावलंबी बनाना चाहती है जबकि ग्राम पंचायतें सरकार से पैसे की अपेक्षा रखती हैं इसे ही अपना अधिकार मानती हैं, इस विरोधाभास को कैसे निपटा जाये। चर्चा के उपरांत प्रारम्भिक सहमति यह बनी कि सह अस्तित्ववादी दृष्टिकोण पर आधारित परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था के शिक्षण प्रशिक्षण से समस्या का समाधान निकलता है। परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था की समझ सम्पन्नता और कार्य-व्यवहार के स्तर पर कार्य किया जाना चाहिये तभी ग्राम स्वराज सफल और प्रमाणित हो सकेगा।

सह-अस्तित्ववादी दृष्टिकोण का अर्थ है कि मानव परस्परता में जाति, वर्ग, सम्प्रदाय मुक्त विधि से जीने का भाव, विवेक-विज्ञान पूर्ण कार्य-व्यवहार। सह-अस्तित्व वादी दृष्टिकोण पर आधारित परिवारमूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था का स्वरूप इस प्रकार से है कि (1) हर गांव में मानवीय शिक्षा का प्रावधान (2) सभी के लिये न्याय-सुरक्षा सुलभ करने का प्रस्ताव (3) उत्पादन-कार्य सर्व सुलभ होने के प्रावधान (4) लाभ-हानि मुक्त विनिमय का प्रावधान (5) स्वास्थ्य-संयम क्रियाकलाप हर परिवार में सुलभ हो।

गोष्ठी में संविधान मानसिकता, शासन मानसिकता और आमजन मानसिकता के सामान्य बिन्दु, भिन्न बिंदु पर भी चर्चा हुई। संविधान मानसिकता को समानता और धर्मनिरपेक्षता के रूप में पहचाना गया। राज्य शासन मानसिकता को पंचायत राज व ग्राम स्वराज व्यवस्था को सफल बनाने के अर्थ में पहचाना गया। आमजन

मानसिकता को संग्रह-सुविधा के स्थान पर समाधान-समृद्धि के रूप में परिवर्तित करने की आवश्यकता को पहचाना गया। इन तीनों बिन्दुओं में साम्य और मिलन बिन्दु को 'परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था' में देखा गया है। परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था में शासन की योजना ग्राम स्वराज व्यवस्था की सफलता पूरी होती दिखती है।

'लोकशक्ति योजना' एवं 'परिवारमूलक ग्राम स्वराज योजना' का मूल एवं विस्तृत प्रस्ताव संलग्न है। इस प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा के उपरांत शासन के साथ दो स्तरों पर कार्य करने की आपकी सहमति बनी।

(I) चयनित ग्रामों में: कुछ चयनित ग्राम पंचायतों के स्तर पर ग्राम स्वराज के सभी आयामों (शिक्षा-संस्कार, उत्पादन-कार्य, न्याय-सुरक्षा, स्वास्थ्य-संयम, विनिमय-कोष आदि) पर समझ का लोकव्यापीकरण एवं मानव-व्यवहार को प्रमाणित करना।

(II) राज्य स्तर पर: राज्य स्तर पर परिवार मूलक ग्राम स्वराज व्यवस्था योजना की अवधारणा में ग्राम-सभा के सदस्यों, अन्य संबंधित व्यक्तियों एवं अधिकारियों को प्रशिक्षित करना।

ग्राम स्तर पर ग्राम स्वराज्य को प्रमाणित करने के लिये क्रियान्वयन प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

क्रियान्वयन की विधि एवं चरण

~~(i) शिक्षण: सर्वप्रथम ग्राम~~ के प्रत्येक तबके की सहमति ग्राम स्वराज व्यवस्था में भागीदारी करने प्राप्त करना।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

के लिये हर व्यक्ति में स्वयं में विश्वास, श्रेष्ठता का सम्मान, स्वयं के प्रतिभा में विश्वास अर्थात समझदारी में विश्वास, स्वयं के व्यक्तित्व में विश्वास, मानवीयतापूर्ण आहार-विहार-व्यवहार में विश्वास, व्यवहार में सामाजिक होने में विश्वास और प्रमाण का शिक्षण-प्रशिक्षण। उत्पादन कार्य में (व्यवसाय में) परिवार की आवश्यकता से अधिक उत्पादन में विश्वास को स्थापित करना। उसके लिये शिक्षा प्रदान करना लक्ष्य और आशय रहेगा। इन सभी तथ्यों को पढ़े-लिखे और निरक्षर लोगों को समझाना।

(ii) उत्पादन कार्य के लिये संभावना को पहचानना एवं परिवार का स्वावलंबन होने के लिये पर्याप्तता के आधार पर आंकलन।

(iii) प्रत्येक मनुष्य में परिवार की आवश्यकता को पहचानने की प्रक्रिया का बोध कराना। सभी सफलता के लिये शिक्षण (लोकशिक्षण) सुनिश्चित करना। जिसका प्रमाण ऊपर इंगित किये गये मनुष्य के व्यक्तित्व के प्रमाण पर आधारित है।

क्रियान्वयन के पूर्व की प्रक्रिया

सर्वेक्षण विधि से ऐसी ग्राम पंचायतों को चिन्हित करना जहां पर परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था को लोकव्यापी एवं प्रमाणित करना है।

उपरोक्त दो स्तरों पर कार्य को सम्पन्न करने के क्रम में यह उपयोगी होगा कि परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था योजना के आधार पर काम करने के लिये दो समितियों का गठन किया जाना चाहिये।

(i) सलाहकार समिति (Advisory Commettee)
(ii) कार्य समिति (Working Group).

आपकी लिखित सहमति के उपरांत इन समितियों के सदस्यों के नाम सुझाये जा सकेंगे।

जिन दो स्तरों पर कार्य करने की सहमति बनी है उनके क्रियान्वयन का विस्तृत विवरण आगे आपकी सहमति के बाद प्रस्तुत किया जायेगा।

(ए. नागराज)
प्रणेता मध्यस्थ दर्शन
(सह अस्तित्ववाद)
संस्थापक
दिव्य पथ संस्थान
नर्मदा मंदिर के सामने
अमरकंटक, जिला शहडोल
फोन: 07629-269407

संलग्न: -

(i) लोक शक्ति योजना।

(ii) परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था योजना।

कार्यालय ग्राम पंचायत कौड़िया जनपद पंचायत बजाग जि० डिण्डौरी

ग्राम पंचायत कौड़िया की सामान्य जानकारी

① ग्राम की जनसंख्या :- 1800

② ग्राम पंचायत में वार्ड की संख्या :- 12

③ ग्राम पंचायत में महिला पंचों की संख्या :- 04

④ ग्राम पंचायत में पदस्थ सरपंच :- श्रीमान दलपत सिंह धुर्वे

⑤ ग्राम पंचायत के उपसरपंच का नाम :- श्रीमान जस्सा सिंह मरकाम

⑥ ग्राम पंचायत में संचालित शिक्षण संस्थाएं :-
मध्यान्ह भोजन संचालित है। ① प्राथमिक शाला :- 01
वर्ग संख्या :- योग बालक + बालिका 98
—॥— ② शिक्षा गारंटी केन्द्र :- 01
वर्ग संख्या :- 91

⑦ ग्राम पंचायत में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र :- 01
मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र :- 03

⑧ ग्राम पंचायत में संचालित निर्माण कार्य :- रंगमंच निर्माण कार्य
स्वीकृत राशि :- 1,50,000/=
मद :- जवाहर ग्राम समृद्धि योजना
कार्य प्रारंभ :- अगस्त 2005
मजदूरी दर :- 55=43

⑨ ग्राम में स्वास्थ्य समस्या - या बिमारी - मलेरिया - पेट दर्द

⑩

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

कार्यालय प०ह०न०८२/८३

भौगोलिक जानकारी

ग्राम कौड़िया ग्राम पंचायत कौड़िया प०ह० न० ८२ रा० नि० म० बजाग तहसील व जिला - डिण्डौरी

पटवारी का नाम - अर्जुनसिंह उइके

(१) ग्राम का भौगोलिक क्षेत्रफल - ८०४.१६ हेक्टेयर
(२) खाते का रकबा - ६७७.४८ हेक्टेयर
(३) गैर खाते का रकबा - १२६.४८ हेक्टेयर
(४) कुल खातों की संख्या - २४४
(५) सीमांत कृषकों/खातों की संख्या - ९५
(६) लघु कृषक खातों की संख्या - ४२
(७) दीर्घ कृषक खातों की संख्या - १०७
(८) ग्राम पंचायत सरपंच का नाम - श्री दलपतसिंह धुर्वे
(९) ग्राम पंचायत सचिव का नाम - श्री ईश्वरसिंह राजपूत
(१०) ग्राम की जनसंख्या लगभग - १४००
(११) ग्राम पटेल का नाम - श्री रामप्रसाद
(१२) ग्राम कोटवार का नाम - श्री अमियादास

हस्ता० पटवारी
ह०न० ८२/८३

(1) आजाप cल्लo परमार

(2) RI

(3) डिवर्ले - Educaha

बेरी ग्राम अनसाबलेयाअलम

परिवारमूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था क्रम में संवाद

सूची क्रमांकः-01 एक

ग्राम का नामः- कोड़िया

ग्राम पंचायत का नामः- कोड़िया

विकाश खण्ड का नामः- बजाग

जिलाः- डिन्डोरी

मध्य प्रदेश

ईश्वर सिंह राजपूत द्वारा प्राप्त – 7/8/05 [illegible]
सचिव ग्राम पंचायत कार्यालय और कोड़िया ([illegible])

[illegible] – 0755257/ 339

परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था क्रम में संवाद

सूची क्रमांक - एक

ग्राम कौड़िया

आस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिन्तन के प्रकाश में विकल्पात्मक,

विन्दु क्र०-01 से 09 तक के स्वीकृति के लिये :-

क्रमांक	सदस्यों के नाम	पिता/पति का नाम	विन्दु से सहमत	विन्दु से असहमत
1	2	3	4	5
1	रामा सिंह	चैतू सिंह	हाँ	
2	भामवती	रामा सिंह	-"-	
3	सुधर सिंह	हरिसिंह	-"-	
4	सोनसाय	मंगलू	-"-	
5	राम जगदीश	सोनसाय	-"-	
6	धुंर्सी	सोनसाय	-"-	
7	चैन सिंह	धुंर्सी	-"-	
8	कमलाबाई	चैनसिंह	-"-	
9	चेतराम	पुनवा	-"-	
10	लीला वती	चेतराम	-"-	
11	मान सिंह	ननसू	-"-	
12	मीराबाई	मानसिंह	-"-	
13	चेतराम	ननसू	-"-	
14	जीराबाई	देवरिया	-"-	
15	मान सिंह	कार्तिक	-"-	
16	बलराम	सुनहर	-"-	
17	मतन	बीरसिंह	-"-	
18	समारू	धरमा	-"-	
19	अभियादास	आजुदास	-"-	
20	महावीर प्रसाद	आजुदास	-"-	
21	उमेद दास	विश्रामदास	-"-	
22	दादूदास	अमरदास	-"-	
23	तिवारी	शिवप्रसाद	-"-	
24	गयादास	विष्णूदास		

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1	2	3	4	5
25	ज्ञानदास	श्यादास	हाँ	
26	कन्हादास	उदेदास	—"—	
27	भारत	रघुनाथ	—"—	
28	गुलाब	अमरदास	—"—	
29	कोयली	संतोष	—"—	
30	अधनूदास	संतोष	—"—	
31	भादूदास	संभू	—"—	
32	धुन्हूदास	कन्हेदास	—"—	
33	श्यामवती	मुन्शी	—"—	
34	जगदीश प्रसाद	गणेशप्रसाद	—"—	
35	बालाराम	भोलाराम	—"—	
36	कोमलप्रसाद	हेमराज	—"—	
37	प्रेमलाल	डोमनलाल	—"—	
38	अमोली प्रसाद	गोकुल	—"—	
39	शंकर सिंह	छमना	—"—	
40	सहदेव	परसू	—"—	
41	शोभित	सोबनाथ	—"—	
42	गेंदसिंह	कधी	—"—	
43	गोपाल	मनोहर	—"—	
44	जीवन	आनन्दी	—"—	
45	पुहुपसिंह	नन्थे	—"—	
46	पंडित	फगुवा	—"—	
47	दादूलाल	धोबी	—"—	
48	शेरसिंह	मनोहर	—"—	
49	फुन्दीलाल	पुन्ना	—"—	
50	भंवरसिंह	फक्तु	—"—	
51	रामासिंह	कक्कू	—"—	
52	मन्शू	शिवप्रसाद	—"—	
53	मतूसिंह	सरबक	—"—	
54	महरसिंह	छत्तरसिंह	—"—	
55	धनीराम	पतिराम	—"—	
56	हीराराम	सुन्दरसिंह	—"—	

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1	2	3	4	5
57	महासिंह	परसादी	हाँ	
58	मोहन	फगुवा	—״—	
59	अमरवती	सुनैन	—״—	
60	फूलचंद	फगुवा	—״—	
61	पोथी	गनपत	—״—	
62	घसेराम	गनपत	—״—	
63	हेमसिंह	हरीसिंह	—״—	
64	अमेरिनबाई	रामा	—״—	
65	सुखलाल	मोहन	—״—	
66	आशाराम	धैना	—״—	
67	बसेराम	गनपत	—״—	
68	गेंदाबाई	घनश्याम	—״—	
69	कवलसिंह	समारू	—״—	
70	जयलाल	बोधन	—״—	
71	खिन्नूचंद	बहादुर	—״—	
72	कोमलप्रसाद	बोधन	—״—	
73	बोधनसिंह	धनसिंह	—״—	
74	फुल्लू सिंह	बन्धे	—״—	
75	रतनसिंह	बन्धे	—״—	
76	शिवराज	कंधी	—״—	
77	मथोसिंह	कंधी	—״—	
78	सुखराम	सखरू	—״—	
79	जयराम	सखरू	—״—	
80	दलपत सिंह	नवलसिंह	—״—	
81	जलसासिंह	नवलसिंह	—״—	
82	गोवर्धन	सहवाले	—״—	
83	सुधरू	बाजरू	—״—	
84	गनसा	बजरू	—״—	
85	कैलास	गनसा	—״—	
86	कौशिल्या	कैलाश	—״—	
87	बिरसिंह	नरबद	—״—	
88	चन्द्रसिंह	सुन्दरसिंह	—״—	
89	पन्नेसिंह	मान्न		

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1	2	3	4	5
90	भरोसा	अन्ता	हाँ	
91	गुलाब	मनोहर	—"—	
92	पतिराम	रेवा	—"—	
93	भवंरसिंह	रेवा	—"—	
94	भवँरू	रेवा	—"—	
95	कुवंरसिंह	रामू	—"—	
96	सुन्दर	मनोहर	—"—	
97	अमरसिंह	मनोहर	—"—	
98	लाभूसिंह	बनेला	—"—	
99	दुखनीबाई	लाभू	—"—	
100	मानसिंह	महतो	—"—	
101	भगतराम	मगन	—"—	
102	उजेरिन	भगत	—"—	
103	समहर	छोटू	—"—	
104	जयमति	हरि	—"—	
105	सुकवरिया	हरिराम	—"—	
106	अमरसिंह	धांसी	—"—	
107	बुद्धाबाई	अमरसिंह	—"—	
108	रमेशसिंह	धांसी	—"—	
109	लाभूसिंह	धांसी	—"—	
110	सुदामा	लाभू	—"—	
111	सोनबाई	भवन	—"—	
112	जेलसिंह	समारू	—"—	
113	कृपाल	दुकला	—"—	
114	बुद्धू सिंह	माधू	—"—	
115	दलन सिंह	बुद्धू	—"—	
116	देवसिंह	मिट्ठीलाल	—"—	
117	जयलाल	परम	—"—	
118	बसोरी	कातिक	—"—	
119	नंदलाल	हरेसिंह	—"—	
120	जगतसिंह	अमीन	—"—	
121	मद्दे सिंह	मकोदी	—"—	
122	रामदयाल	मुखैया	—"—	
123	कल्याण	शंकर	—"—	
124	दनियार	संपट	—"—	

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1	२	3	4	5
125	लालू प्रसाद	चमरु	हाँ	
126	रूद्र प्रताप	हेमसिंह	—"—	
127	देवसिंह	जगतसिंह	—"—	
128	ममताबाई	देवसिंह	—"—	
129	फगनू	सहदु	—"—	
130	सम्पतिया	रामा	—"—	
131	सुमेर	मकलु	—"—	
132	पार्वती	सुमेर	—"—	
133	सुधर सिंह	सुखरू	—"—	
134	रमेश	लालू	—"—	
135	माखन	अमरसिंह	—"—	
136	मालती	माखन	—"—	
137	गनधू	समरू	—"—	
138	गनशा	बुधसेन	—"—	
139	फगुवा	कुँवरसिंह	—"—	
140	अमरसिंह	धौली	—"—	
141	धनेश्वर	रूपदास	—"—	
142	अधनसिंह	सुखसेन	—"—	
143	कल्लु	मदरसिंह	—"—	
144	सियावती	कल्लु	—"—	
145	जयसिंह	मल्लाल	—"—	
146	मल्टू	मंगल	—"—	
147	विदेश	छोटा	—"—	
148	मनिया	धनीराम	—"—	
149	अमरसिंह	शिवराम	—"—	
150	महाजन	समरू	—"—	
151	सुपह सिंह	गोरेलाल	—"—	
152	फुलिया	सुपह	—"—	
153	प्रेमकुमारी	सुपह	—"—	
154	दलीपसिंह	सुपह	—"—	
155	शिवप्रसाद	गोरेलाल	—"—	
156	सगनी	भागवत	—"—	
157	कलावती	मनमोहन	—"—	
158	श्वेत सिंह	जगारी	—"—	
159	मन्ना	छमना	—"—	
160	कल्लु	छमना	—"—	

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1	2	3	4	5
161	जेवनवती	फुलटू	हां	
162	सुमद्री	फुलटू	—"—	
163	भगतराम	ठमना	—"—	
164	बारसिंह	भल्लू	—"—	
165	बलीराम	बालूराम	—"—	
166	महतो	गनपत	—"—	
167	गनेशा	धीरज	—"—	
168	चेतराम	लमुआ	—"—	
169	कथई	ककडू	—"—	
170	गोपाल	ककडू	—"—	
171	भानसिंह	ककडू	—"—	
172	धनसिंह	मुन्डा	—"—	
173	दयाल	मुन्डा	—"—	
174	बलराम	महतो	—"—	
175	फग्गू	रामसिंह	—"—	
176	मदनसिंह	रामसिंह	—"—	
177	कमलाबाई	दलेल	—"—	
178	रामप्रसाद	दलेल	—"—	
179	राजकुमारी	रामप्रसाद	—"—	
180	सलिया	थानसिंह	—"—	
181	आशाराम	मोहन	—"—	
182	सद्दनिया	सखाराम	—"—	
183	आनन्दी	मोदी	—"—	
184	सुखलाल	बजारी	—"—	
185	फागू	समारू	—"—	
186	जयसिंह	बजारी	—"—	
187	अयनसिंह	अमरसिंह	—"—	
188	बलेराम	पुनवा	—"—	
189	धरमिन	बलेराम	—"—	
190	शंकर	हरेसिंह	—"—	
191	परनसिंह	हरेसिंह	—"—	
192	गेंदूसिंह	चंदेल	—"—	
193	सम्पत्त सिंह	गेंदू	—"—	
194	अनूप सिंह	सरैहा	—"—	

1	2	3	4	5
195	रामा सिंह	सरैहा	हाँ	
196	कमली	कांशीराम	—"—	
197	तुलसा	शिवराम	—"—	
198	बसेराम	छोटेलाल	—"—	
199	जियालाल	गुलाब	—"—	
200	चेतराम	छोटा	—"—	
201	गनेशा	छोटा	—"—	
202	चतुरराम	खुमान	—"—	
203	दुर्गसिंह	चतुराम	—"—	
204	बुध्धु सिंह	लालू लाल	—"—	
205	रमोतिन	बुध्धू सिंह	—"—	
206	बुधवती	बहद्दू	—"—	
2[illegible]7	सुद्दू	बाबूलाल	—"—	
208	मनमत	सुद्दू	—"—	
209	नरबदिया	कैलाश	—"—	
210	सुखसेन	बाबूलाल	—"—	
211	ओमवती	सुखसेन	—"—	
212	लाम्रू सिंह	बाबूलाल	—"—	
213	ननसा	बाबूलाल	—"—	
214	जयमति	धानसिंह	—"—	
215	मोहन सिंह	महरसिंह	—"—	
216	मानसिंह	रामप्रसाद	—"—	
217	सवनू	दल्लू	—"—	
2[illegible]	गोविन्द	अच्छलु	—"—	
219	नाथूराम	सरवक	—"—	
220	त्रिवेणीप्रसाद	नाथूराम	—"—	
221	मंगलसिंह	दुकला	—"—	
222	फुलझर	मंगल सिंह	—"—	
223	अन्ता	गुलाब	—"—	
224	मायाराम	बनता	—"—	
225	बुद्धु सिंह	सरवक	—"—	
226	मानसिंह	दुकला	—"—	
227	हरे सिंह	मानसिंह	—"—	
228	सुरवलाल	मानसिंह	—"—	
229	गिरजा	सुखलाल	—"—	
230	बुधनबाई	जीवन	—"—	
231	दानसिंह	जीवन	—"—	
232	सहमत	मंगल		

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1	2	3	4	5
233	हिरौंदा	मेलसिंह	हाँ	
234	सहजान	सौनू	—"—	
235	धनिया	सहजान	—"—	
236	बसोरी	सहजान	—"—	
237	छंगना	समारू	—"—	
238	ललती	छंगना	—"—	
239	सुखसेन	छंगना	—"—	
240	भद्दर	समारू	—"—	
241	मीलाबाई	बुधराम	—"—	
242	भदिया	दानसिंह	—"—	
243	दानसिंह	रूपसिंह	—"—	
244	धनीराम	रूपसिंह	—"—	
245	केहर	रूपसिंह	—"—	
246	भानसिंह	रूपसिंह	—"—	
247	रामकली	रूपसिंह	—"—	
248	ज्वालाप्रसाद	भरोसा	—"—	
249	रामभगत	ओझा	—"—	
250	अवधेश	पन्चे	—"—	
251	सुकरती	रामभगत	—"—	
252	भागरथी	सम्हर	—"—	
253	परसराम	हीरा	—"—	
254	कलई	परसराम	—"—	
255	बुद्दू	सहजन	—"—	
256	लालसिंह	रामप्रसाद	—"—	
257	डोमन लाल	हेमराज	—"—	
258	भोलाराम	मुंशी	—"—	
259	रामकली	बिरसिंह	—"—	
260	जयमति	नन्हादास	—"—	
261	सुशीला	अमियादास	—"—	
262	लीलाबाई	अमोलीप्रसाद	—"—	
263	रजमीबाई	गोर्वधन	—"—	
264	बेलाबाई	रामदयाल	—"—	
265	उर्मिला बाई	बोधन	—"—	
266	नीलाबाई	सुमान	—"—	
267	जगदीश	मोटू राम	—"—	

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

[illegible]	[illegible]		
...नीराम	डमारी		—״—
...यामवती	भानसिंह		—״—
...ोरथ सिंह	पन्नो		—״—
...कलामदास	भादूदास		—״—
...हमराज	गोकल		—״—
...अमता	बोधन		—״—
घनश्याम	गनपत		—״—
...लाराम	भोला		—״—
आनन्दी	गोकल		—״—